

[Shri Nanda]

life for which we stand and I count on the help and cooperation of leaders of various sections of the community and the political parties in the maintenance of peaceful conditions and communal harmony throughout the country.

I may add that I had a meeting with the leaders of the Parties here this morning and I am very much heartened by the offer of cooperation from all of them.

Mr. Speaker: Papers to be laid on the Table.

Shri Hem Barua rose—

Mr. Speaker: I was told that there will be no questions on this.

Shri Hem Barua: It is a very important question. I do not think that would put them or the country in difficulty. I have to get one piece of information.

Mr. Speaker: If it starts, there will be no end to it.

Shri Daji (Indore): He wants to know something.

Mr. Speaker: Everyone would. The Members should refrain from putting any question on this at this moment. The desire of the House is that no questions should be put at this moment.

श्री राम सेवक यादव (बाराबंकी):
मैं आप से एक जानकारी चाहता हूँ।

अध्यक्ष महोदय : यादव साहब शुरू करेंगे तो...

श्री राम सेवक यादव : हम जानना चाहते हैं कि यह फ़ैसला हुआ है कि प्रश्न नहीं होंगे या मन्त्री महोदय ने आपसे निवेदन किया है कि इस पर प्रश्न न पूछे जायं।

अध्यक्ष महोदय : हाउस में कुछ मित्रों ने कहा है कि ये सवाल न पूछे जायं।

श्री राम सेवक यादव : ऐसा कोई फ़ैसला नहीं किया गया था कि प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।

अध्यक्ष महोदय : ऐसा फ़ैसला न किया गया होगा, लेकिन इस वक्त यही अच्छा है कि आप इस वक्त हाउस में सवाल न करें। यह हमारे देश के हित में नहीं है कि इस वक्त सवालात किए जाएं। आप मान लें।

Shri Hem Barua: You have given a good ruling. On second thought, I have realised that there should be no questions at this stage. It is a very nice stand that you have taken and it is a nice ruling.

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद):
मन्त्री महोदय ने कहा कि सब लोगों ने अपने सहयोग देने का वचन दिया है। यह बात सही नहीं है क्योंकि जब तक हिन्द सरकार इस मामले में अपनी नीति ठीक तरह से ही बनाती और केवल जनता को भड़का दिया जाता है और कोई कार्रवाई नहीं होती तब तक उस सहयोग का कोई मतलब नहीं होगा। इस समय देश में ऐसी हालत हो गयी कि अगर यहां लोक-सभा में बातचीत हो जाए तो शायद आग बुझ सकती है, वरना इस देश में आग लगी हुई है।

अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर।

Papers to be laid on the Table.

12.28 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

ORDERS UNDER SUB-SECTION (3) OF SECTION 13 OF REPRESENTATION OF THE PEOPLE ACT, 1950

The Deputy Minister in the Ministry of Law (Shri Bibudhendra Misra): I beg to lay on the Table a copy each

of the following Orders under sub-section (3) of section 13 of the Representation of the People Act, 1950:—

(i) The Delimitation of Council Constituencies (Punjab) Amendment Order, 1964 published in Notification No. G.S.R. 420 dated the 5th March, 1964. [Placed in Library, See No. LT-2562/64].

(ii) The Delimitation of Council Constituencies (Mysore) Amendment Order, 1964 published in Notification No. G.S.R. 421 dated the 5th March, 1964. [Placed in Library, See No. LT-2563/64].

Houses of Parliament during the current Session and assented to by the President since a report was last made to the House on the 11th February, 1964:—

1. The Appropriation (Railways) Bill, 1964.
2. The Appropriation (Vote on Account) Bill, 1964.
3. The Appropriation Bill, 1964.
4. The Appropriation (Railways) No. 2 Bill, 1964.

श्री रामेश्वरानन्द (करनाल) : अध्यक्ष महोदय . . .

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री राम सेवक यादव (बाराबंकी) : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : नहीं इस वक्त नहीं ।

श्री राम सेवक यादव : मेरा निवेदन मुन लें ।

अध्यक्ष महोदय : इस वक्त नहीं मुन सकता ।

श्री राम सेवक यादव : इस तरह से बहुमत का निर्णय बगैर . . .

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाएं । इस वक्त मैं दूसरे आइटम पर चला गया हूँ ।

श्री राम सेवक यादव : श्रीमन्, इस तरह से तो सदन का काम नहीं चल सकता . . .

अध्यक्ष महोदय : देखा जाएगा ।

श्री राम सेवक यादव (बाराबंकी) : अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन मुन लें, व्यवस्था का प्रश्न है . . .

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर । कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं है ।

श्री राम सेवक यादव : यह बहुत ही गम्भीर सवाल है और नियम की . . .

अध्यक्ष महोदय : इस वक्त मैं अगले आइटम पर चला गया हूँ । माननीय सदस्य बैठ जायें ।

श्री राम सेवक यादव : अध्यक्ष महोदय, आप मुन तो लें . . .

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री राम सेवक यादव : यह नियम की बात है यह लोक सभा का सदन है या कोई दरबार है ?

अध्यक्ष महोदय : यह तो लोक सभा ही है । दरबार जब माननीय सदस्य करेंगे तो देखा जायगा । अब वे बैठ जायें । श्री स्वर्ण सिं ।

12.29 hrs.

PRESIDENT'S ASSENT TO BILLS

Secretary: Sir, I lay on the Table following four Bills passed by the